म.प्र. जन अभियान परिषद्

(योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग, म.प्र. शासन)
राजीव गांधी भवन खण्ड 2, 35 श्यामला हिल्स भोपाल, 0755–2660203 फैक्स : 0755–2660250

क्रं1620/ज.अ.प./टी.ऍम./एन.जी.ओ./14 भोपाल, दिनांक18/11/14

प्रति,

1. संभाग समन्वयक(समस्त)
2. जिला समन्वयक(समस्त)
   म.प्र.जन अभियान परिषद्

विषय:- मैदानी अमले एवं स्वैच्छिक संगठनों के प्रभावी मार्गदर्शन एवं पर्यवेक्षण के संबंध में।

प्रदेश में कार्यरत स्वैच्छिक संगठनों एवं म.प्र. जन अभियान परिषद के अधिकारियों के मध्य संवाद एवं समन्वयन की दृष्टि से मेरे द्वारा प्रदेश के विभिन्न जिलों में भ्रमण कर बैठके की जा रही है। बैठकों के दौरान यह विषय संज्ञान में आया की परिषद द्वारा गठित एवं पोषित अनेक संस्थाओं को म.प्र. जन अभियान परिषद के उद्देश्यों, योजनाओं एवं कार्यप्रणाली के संबंध में प्रर्याप्त जानकारी नही है साथ ही वे आम जन से संवाद स्थापित कर जन भागीदारी से समाज विकास के कार्यो को प्रभावी रूप से क्रियान्वित नही कर पा रहे है। वहीं परिषद के विकासखण्ड समन्वयकों की कार्यशैली एवं क्षमता का आकलन करने पर यह आभास होता है कि वे भी समाज एवं स्वैच्छिक संगठनों में परिषद की अवधारणा, योजनाओं एवं गतिविधियों की जानकारी का प्रभावी सम्प्रेषण नही कर पा रहे है। इसके परिणाम स्वरूप प्रस्फुटन समितियों के सदस्यों के रूप में ऐसे लोगों का चयन हो रहा है जिनका रूझान स्वैच्छिकता एवं स्वावलंबन की ओर नही है। विकासखण्ड समन्वयक अपने कार्यो हेतु नवांकुर संस्थाओं पर अधिक निर्भर होते जा रहे है।

स्वैच्छिक संगठनों के साथ परिषद के विकासखण्ड समन्वयकों का भी समय समय पर क्षमतावर्धन एवं उन्मुखीकरण किया जाना आवश्यक है जिससे मैदानी स्तर पर परिषद की गतिविधियों एवं स्वैच्छिक संगठनों के मध्य समन्वयन स्थापित हो सके। अत: समस्त संभाग/जिला समन्वयकों को निर्देशित किया जाता है कि संभाग/जिला स्तरीय बैठक एवं भ्रमण के दौरान समितियों को परिषद की संरचना, कार्यप्रणाली तथा योजनाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी दे तथा समाज विकास में उनकी भूमिका के संबंध में प्रशिक्षित/शिक्षित करें एवं विकासखण्ड समन्वयकों का आवश्यकता अनुसार क्षमतावर्धन करें। अपने अधीनस्थ कार्यकर्ताओं के प्रति सहयोगात्मक व्यवहार रखते हुए उनका मार्गदर्शन करें जिससे प्रदेश में स्वैच्छिकता का वातावरण निर्मित हो सके। स्वैच्छिक संगठनों के क्षमतावर्धन एवं उन्मुखीकरण हेतु आयोजित बैठक अथवा प्रशिक्षण में स्वागत आदि औपचारिकताओं से बचें तथा कार्यक्रम संबंधी विषय वस्तु पर प्राथमिकता से चर्चा करें।

(उमेश शर्मा)
कार्यपालक निदेशक
म.प्र. जन अभियान परिषद्

क्रं1621/ज.अ.प./टी.ऍम./एन.जी.ओ./14 भोपाल, दिनांक18/11/14

प्रतिलिपि:-

1. टास्क मेनेजर (समस्त) म.प्र. जन अभियान परिषद, भोपाल की ओर सूचनार्थ प्रेषित ।

कार्यपालक निदेशक
म.प्र. जन अभियान परिषद्